vinetur

टैरिफ की मार से फ्रांस के उत्पादकों की Cognac बिक्री 9 करोड़ बोतल घटी

चीन और अमेरिका से ऑर्डर कमजोर पड़े हैं, जबकि यह क्षेत्र यूरोपीय संघ के बाहर अपने 98% उत्पादन का निर्यात करता है

सोमवार, 28 सितंबर 2026



दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस में Cognac उत्पादक चीन और अमेरिका के साथ दो साल से चले आ रहे व्यापार तनाव के बाद बिक्री में तेज गिरावट का सामना कर रहे हैं, जिससे कमजोर मांग और 2026 की छोटी फसल ने फ्रांस के सबसे अधिक निर्यात-निर्भर पेय उद्योगों में से एक पर दबाव बढ़ा दिया है।

उद्योग अधिकारियों के हवाले से Euronews द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, Cognac की बिक्री 2023 में लगभग 230 million bottles से घटकर अब 140 million bottles रह गई है, यानी 90 million bottles या 39.1% की गिरावट। रिपोर्ट में 140 million-bottle के आंकड़े की सटीक अवधि नहीं बताई गई, और इस तुलना के लिए किसी प्रमुख सांख्यिकीय प्रकाशन की पहचान भी नहीं की गई। फिर भी, उद्योग द्वारा बताई गई यह गिरावट उस क्षेत्र में तीव्र संकुचन की ओर इशारा करती है जो अपने उत्पादन का लगभग पूरा हिस्सा विदेश भेजता है।

Cognac उद्योग का कहना है कि उत्पादन का 98% यूरोपीय संघ के बाहर निर्यात किया जाता है। उद्योग के व्यापार निकाय के अनुसार, चीन निर्यात का लगभग 25% हिस्सा रखता है और संयुक्त राज्य के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

अमेरिकी बाजार कुल निर्यात का लगभग आधा हिस्सा है, जिससे यह क्षेत्र दोनों पक्षों के व्यापार विवादों के प्रति बेहद संवेदनशील बन जाता है।

यह निर्भरता चारांते नदी के आसपास के उत्पादकों के लिए एक केंद्रीय समस्या बन गई है, जो फ्रांसीसी appellation नियमों के तहत Cognac बनाने की अनुमति वाला एकमात्र क्षेत्र है। उत्पादक और व्यापारिक घराने कहते हैं कि चीन और अमेरिका दोनों में आयातकों और वितरकों के पीछे हटने के बाद ऑर्डर घट गए हैं।

Euronews ने बताया कि चार सबसे बड़े हाउस, Rémy Martin, Hennessy, Martell और Courvoisier, ने ग्राहकों द्वारा अनुबंध रद्द करने के बाद अंगूर उत्पादकों से अपनी खरीद घटा दी। दबाव क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखला के पूरे ढांचे में फैल गया है, जिसका असर न केवल डिस्टिलर्स और व्यापारियों पर, बल्कि बैरल निर्माताओं, परिवहन कंपनियों, कृषि ठेकेदारों और उपकरण आपूर्तिकर्ताओं पर भी पड़ा है। रिपोर्ट में उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, यह उद्योग फ्रांस में लगभग 70,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों को सहारा देता है।

उद्योग अधिकारियों का कहना है कि पहला बड़ा झटका चीन से ईयू और बीजिंग के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर हुए व्यापार विवाद के बाद लगा। फ्रांस उन सबसे मजबूत समर्थकों में था जिन्होंने चीनी इलेक्ट्रिक वाहन आयात के खिलाफ यूरोपीय कार्रवाई का समर्थन किया। जब EU ने चीनी EVs पर टैरिफ आगे बढ़ाए, तो बीजिंग ने यूरोपीय ब्रांडी को निशाना बनाकर जवाब दिया।

चीन ने 2024 में यूरोपीय ब्रांडी पर अधिकतम 34.8% तक के अस्थायी शुल्क लगाए, सिर्फ कुछ दिन बाद जब EU ने चीनी EVs पर अधिकतम 35.3% तक के टैरिफ लगाए थे। बाद में चीन ने अपने उपायों की पुष्टि की, लेकिन उन प्रमुख Cognac उत्पादकों को छूट दी जिन्होंने अघोषित न्यूनतम कीमतों से ऊपर बेचने पर सहमति दी। हालांकि, तब तक उत्पादकों का कहना है कि बाजार में नुकसान हो चुका था।

National Interprofessional Cognac Bureau, या BNIC, के निदेशक राफ़ाएल डेलपेश ने Euronews से कहा कि Cognac व्यापक व्यापार संघर्ष में 'कोलैटरल डैमेज' बन गया है। उन्होंने कहा कि उत्पाद को चीन के खिलाफ यूरोपीय व्यापार कार्रवाई से सार्वजनिक रूप से जोड़े जाने के बाद चीनी उपभोक्ता और वितरक इससे दूर हो गए। उनके अनुसार, समस्या केवल टैरिफ तक सीमित नहीं थी। उन्होंने कहा कि आयातकों ने ऑर्डर देना बंद कर दिया और खुदरा विक्रेताओं ने Cognac के लिए शेल्फ स्पेस घटा दिया।

इसके बाद उद्योग को अमेरिका में फिर झटका लगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में, U.S. पहले ही Boeing-Airbus विवाद के तहत फ्रांसीसी Cognac पर टैरिफ लगा चुका था, जिन्हें बाद में राष्ट्रपति जो बाइडेन के तहत निलंबित कर दिया गया। अमेरिका के टैरिफ का नया दौर तब आया जब ट्रंप 2025 में फिर से सत्ता में लौटे और अप्रैल 2025 में व्यापारिक साझेदारों पर व्यापक कदमों की घोषणा की।

जुलाई में, EU और संयुक्त राज्य अमेरिका ने स्कॉटलैंड के Turnberry में एक समझौता किया, जिसमें अमेरिका को जाने वाले अधिकांश यूरोपीय निर्यातों, जिनमें Cognac भी शामिल है, पर 15% टैरिफ तय किया गया। तब से यूरोपीय वाइन और स्पिरिट्स समूह छूट के लिए पैरवी कर रहे हैं, लेकिन Cognac अभी भी इसके दायरे में है। उद्योग का कहना है कि इस अनिश्चितता ने अमेरिका में कमजोर खरीद को और बढ़ाया है, जहां मुद्रास्फीति पहले ही उपभोक्ता कीमतें बढ़ा चुकी है।

डेलपेश ने Euronews को बताया कि टैरिफ माहौल ने अमेरिकी आयातकों में चिंता पैदा की, जिन्होंने कई मामलों में कम जोखिम वाले माने जाने वाले उत्पादों की ओर रुख करना चुना। फ्रांसीसी अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि लगातार राहत के लिए ब्रसेल्स और वॉशिंगटन पर दबाव डाल रहे हैं, लेकिन Cognac के लिए अभी तक किसी सफलता के संकेत नहीं मिले हैं।

फ्रांस में अन्य स्पिरिट्स के मुकाबले यह अंतर निराशा को और बढ़ा रहा है। मई में ब्रिटेन ने व्हिस्की पर अमेरिकी टैरिफ

हटवा लिए, और मध्य सितंबर में Irish whiskey को भी इसी तरह का उपचार मिला। हालांकि, फ्रांसीसी Cognac अभी भी 15% टैरिफ के अधीन है।

व्यापारिक दबाव एक कमजोर 2026 फसल के साथ ही आ रहा है। Cognac क्षेत्र में कुछ उत्पादकों का कहना है कि सूखे ने इस साल की फसल के आर्थिक मूल्य को घटा दिया। Gondeville के एक वाइन उत्पादक Matthieu Augier ने Euronews से कहा कि उन्हें अपनी 2026 फसल से सामान्य वर्ष की तुलना में आर्थिक प्रतिफल में 30% से 40% की कमी की उम्मीद है। यह अनुमान एक उत्पादक ने दिया था और इसे उत्पादन मात्रा के आधिकारिक क्षेत्रीय पूर्वानुमान के बजाय आर्थिक शब्दों में बताया गया था।

फिर भी, छोटी फसल उस बाजार में अल्पकालिक अधिक आपूर्ति को सीमित कर सकती है जहां मांग गिर चुकी है। Augier ने Euronews से कहा कि बाजार में गिरावट के बाद प्रकृति, व्यवहार में, अधिशेष को नियंत्रित करने में मदद कर रही थी। लेकिन उत्पादकों के लिए यह राहत का अच्छा रूप नहीं है। कम उत्पादन निर्यात बाजारों के नुकसान का समाधान नहीं करता, और पहले से ही कठिन दौर में आय घटाता है।

कमजोर मांग के अनुरूप ढलने के लिए, क्षेत्र ने वित्तीय सहायता के साथ दो बेल-उखाड़ योजनाएं शुरू की हैं। एक स्थायी है और किसानों को हमेशा के लिए बेलें हटाने के लिए भुगतान करती है। दूसरी अस्थायी है और किसानों को जमीन को प्रणाली में बनाए रखते हुए पांच साल तक फिर से पौधारोपण करने से रोकती है। स्थायी विकल्प में भागीदारी अब तक सीमित रही है। Euronews ने बताया कि आवेदन केवल Cognac appellation क्षेत्र के 96,000 hectares में से 560 hectares तक ही पहुंचे।

यह प्रतिक्रिया बताती है कि कई उत्पादक उन दाखबेलों का आकार घटाने को लेकर अब भी अनिच्छुक हैं जिन्हें दीर्घकालिक निवेश के रूप में लगाया गया था। इस क्षेत्र के दाखबाग अक्सर परिवार की संपत्ति होते हैं जो पीढ़ियों तक सौंपी जाती हैं, और उन्हें छोटा करना दशकों में बने व्यवसाय में भविष्य की उत्पादन क्षमता कम करने के बराबर हो सकता है।

यह विवाद फ्रांस और ब्रसेल्स में एक राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है। उद्योग अधिकारियों का तर्क है कि यदि EU ऐसे व्यापारिक कदम उठाता है जिनसे असंबद्ध क्षेत्रों के खिलाफ प्रतिशोध भड़कता है, तो उसे उन उद्योगों को अधिक मजबूत समर्थन देना चाहिए जिन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। Euronews के अनुसार, फ्रांसीसी राष्ट्रपति Emmanuel Macron ने इस क्षेत्र का कई बार दौरा किया है और अंगूर उत्पादकों को मुआवजा देने का वादा किया है, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि वह सहायता अभी तक नहीं आई है।

यूरोपीय संसद में फ्रांस के सदस्य और संसद के wines and spirits intergroup के उपाध्यक्ष Eric Sargiacomo ने Euronews से कहा कि Cognac यूरोप के लिए एक परीक्षण मामला बन गया है। उन्होंने कहा कि यह संकट कृषि क्षेत्रों में इस व्यापक संदेह को बढ़ा रहा है कि क्या EU उन्हें तब बचा सकता है जब वे मुक्त-व्यापार समझौतों, anti-dumping उपायों या बाहरी टैरिफ से जुड़ी प्रतिशोधात्मक कार्रवाई से नुकसान उठाते हैं।

फिलहाल, क्षेत्र का दृष्टिकोण कृषि से जितना जुड़ा है, उतना ही विदेशी नीति से भी। उत्पादकों का कहना है कि किसी भी ठोस सुधार की संभावना सबसे पहले अमेरिकी बाजार पर निर्भर करेगी, जहां वे अभी भी 15% टैरिफ से राहत की तलाश में हैं, जबकि चीन में उछाल आने में अधिक समय लग सकता है क्योंकि ब्रांडी विवाद से राजनीतिक नुकसान रह गया है।